subject - Hindi. **Topic- lesson -1** **class – 6th**

VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL
An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce
W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

subject - Hindi. **Topic- lesson -1 नव भारती** **class – 6th**

भाषा ज्ञान — पर्यायवाची शब्द, अनेकार्थक शब्द, उपसर्ग

1. समान अर्थ बताने वाले शब्दों को **पर्यायवाची शब्द** कहते हैं; जैसे– जल- पानी, नीर।

दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द छाँटकर लिखिए–

जग	–	संसार	दुनिया
राही	–	राहगीर	पथिक
आँख	–	नेत्र	नयन
पक्षी	–	खग	विहग
प्रभात	–	भोर	प्रात:

संसार	राहगीर
नेत्र	दुनिया
पथिक	नयन
खग	प्रात:
भोर	विहग

2. जिन शब्दों के अनेक अर्थ होते हैं, उन्हें **अनेकार्थक शब्द** कहते हैं; जैसे– जग < एक प्रकार का बरतन / संसार

रेखांकित शब्दों के उचित अर्थ कोष्ठक में से छाँटकर लिखिए–

(क)	अंबर में तारे टिमटिमाते हैं।	आसमान	(कपड़ा / आसमान)
(ख)	डाल में कोंपल फूटी।	टहनी	(टहनी / डालना)
(ग)	अपना मुख जल से धोलो।	पानी	(इज़्ज़त / पानी)
(घ)	कनक-किरण के जल में धो लो।	गेहूँ	(गेहूँ / सोना)
(ङ)	अरुण किरण अंबर में छूटी।	सूरज	(सूरज / सिंदूर)

3. **उपसर्ग** शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं; जैसे- कविता में '**सुभग**' शब्द आया है। इस शब्द में '**सु**' उपसर्ग है जिसका उपयोग '**अच्छा**', '**भला**' आदि का अर्थ दर्शाने के लिए हुआ है।

अब आप उदाहरणानुसार शब्दों के आगे 'सु' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए तथा उनके अर्थ भी लिखिए–

अवसर	–	सुअवसर	अच्छा मौका	पुत्र	–	सुपुत्र	अच्छा पुत्र
कर्म	–	सुकर्म	अच्छे काम	मति	–	सुमति	अच्छी बुद्धि
गंध	–	सुगंध	अच्छी खुशबू	विचार	–	सुविचार	अच्छे विचार

कक्षा - 6

पाठ - 1 नव भारती

प्रश्नोत्तर

प्र० 1 अति लघु उत्तर लिखिए -

(क) इस कविता में किस समय का वर्णन किया गया है?

उ०. इस कविता में प्रात: काल की सुखद बेला का वर्णन किया गया है।

(ख) 'सुभग सवेरा' से क्या तात्पर्य है?

उ० 'सुभग सवेरा' से तात्पर्य - मधुर, शांत, सुंदर और स्वर्णिम सुबह से है।

(ग) 'नव प्रभात' कविता के कवि का नाम लिखिए?

उ०. 'नव प्रभात' कविता के कवि 'सोहनलाल द्विवेदी' है।

लघु उत्तर

प्र०क इस कविता में कवि राही से क्या और क्यों करने के लिए कहते हैं?

उ०. इस कविता में कवि राही से अपनी आँखे खोलकर सूरज की सोने के समान चमकती हुई किरणों में मुँह धोने के लिए कह रहे हैं जिससे मन में अलौकिक शक्ति का संचार हो तथा मन का अंधकार दूर हो जाये।

प्र० ख इस कविता का शीर्षक 'नव प्रभात' क्यों रखा गया है?

उ०. इस कविता का शीर्षक नव प्रभात' इसलिए रखा गया है क्यों कि प्रत्येक सुबह मन में नई उमंग, ऊर्जा और शक्ति का संचार करती है। जीवन को नई दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

प्र० ग सवेरा होते ही प्राकृतिक दृश्यों में किस तरह के परिवर्तन देखने को मिलते हैं?

उ०. सवेरा होते ही मन को हर्षित करने वाली चिड़ियों की चहचाहट सुनाई देना, चंदन की सुगंध, हवा का निर्मल गति से बहना, सूर्य की स्वर्णिम किरणों का चमकना तथा अंधकार का प्रकाश और शांत वातावरण के मधुरतम प्राकृतिक दृश्य में परिवर्तित होना

प्र०. 'नवप्रभात' कविता का मूलभाव अपने शब्दों में लिखिए?

उ०. 'नव प्रभात' कविता के माध्यम से कवि 'सोहनलाल द्विवेदी' प्रातः काल के स्वर्णिम दृश्य का वर्णन करते हुए कहते हैं कि सूरज की किरणें निकलते ही पक्षी कलरव करने लगते हैं। चारों तरफ सुंदरता छा जाती है। प्रकृति के इस अलौकिक सौन्दर्य को ओर देखकर मनुष्य के मन में नई स्फूर्ति और ऊर्जा का संचार होता है। जो मनुष्य के मन में अज्ञान रूपी अंधकार दूर करके ज्ञान रूपी प्रकाश को बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।